

MA (SANSKRIT) External
List of Text-Book Prescribed
MA (Previous)

प्रश्नपत्र-१ Prose and Poetry

- | | | |
|--|---|------|
| (१) शिशुपालवधम् (सर्ग-१) माघ | } | (४०) |
| (२) नैषधीयचरितम् (सर्ग-१) श्री हर्ष | | |
| (३) कादम्बरी-महाश्वेतावतान्तम्-बाणभट्ट | | (३०) |

प्रश्नपत्र-२ Vedant

- | | |
|--|------|
| (१) ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्यम् (अध्याय-१ अने २ना नियत सूत्रो) | (४२) |
|--|------|

अध्याय-१

- पा६-१ : सूत्रो : १ थी ५, १० थी १८, २२, २८, ३१
 पा६-२ : सूत्रो : २ थी ४, ७ थी १३, १८ थी २१, २३ थी ३२
 पा६-३ : सूत्रो : १ थी ८, १० थी १४, २४ थी ३८, ४२, ४३
 पा६-४ : सूत्रो : १ थी २८

अध्याय-२

- पा६-१ : सूत्रो : १, २, ४ थी ११, १३ थी १८, २१ थी ३३
 पा६-२ : सूत्रो : १ थी ४५ (संपूर्णपा६)
 पा६-३ : सूत्रो : १ थी ६, १३, १४, १६ थी ५३
 पा६-४ : २६ करेव छे.

- | | |
|------------------------------------|------|
| (२) दार्शनिक साहित्य : उद्भव-विकास | (२८) |
| - जैन-बौद्ध | |
| - न्याय-वैशेषिक | |

प्रश्नपत्र-३

- | | |
|---------------------|------|
| (१) निरुक्त - यास्क | (३५) |
| (अध्याय - १, २, ७) | |

- | | |
|--|------|
| (२) वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी - भट्टोजी दीक्षित - षड्लिंग प्रकरण, सन्धि प्रकरण, परिभाषा प्रकरण | (३५) |
| परिभाषाएँ : | |

सहिता, गुण, वृद्धि, प्रतिपदिजी, नदी, धि, उपधा, अपा१क, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, हि, प्रगुत्व,
 सर्वनाम-स्थान, निष्ठा, स्त्री प्रत्यय
 अव्यय
 समास

प्रश्नपत्र-४ Alamkarashastra

- (१) नाट्यशास्त्रम् - भरतमुनि (२१)
(अध्याय-१, २ अने ६)
- (२) दशरूपकम् - धनञ्जय (२८)
- (३) काव्य मीमांसा - राजशेखर (२९)

MA (Final) (Sanskrit) External**प्रश्नपत्र-५**

- (१) उत्तररामचरितम् - भवभूति (२८)
- (२) रत्नावली - श्री हर्ष (२९)
- (३) पञ्चरात्रम् - भाष (२९)

प्रश्नपत्र-६ Vedant

- (१) ब्रह्मसूत्राणुभाष्यम् । (४०)
(अध्याय-१ अने २ना नियत सूत्रो)

अध्याय-१

- पाठ : १ - सूत्र : १ थी ४, ११ थी १८, २१, २८, ३०
- पाठ : २ - सूत्र : १, ७, ८ थी १२, २० थी ३२
- पाठ : ३ - सूत्र : १, ८, १०, १३ थी २१, २४ थी ३८, ४२
- पाठ : ४ - सूत्र : १ थी ३, ११, १५ थी २८

अध्याय-२

- पाठ : १ - सूत्र : १, ११, १३ थी १६, २१ थी ३७
- पाठ : २ - संपूर्णपाठ
- पाठ : ३ - सूत्र : १, १६ थी ५३
- पाठ : ४ - सूत्र : १, ५, ८, २०
- (२) श्री भाष्य (१.१.१) - रामानुजाचार्य (जिज्ञासाधिकरण)

प्रश्नपत्र-७

वैदिक साहित्य अने महाकाव्य

Vedic Literature & Epic

- (१) वैदिक साहित्य :

(३५)

- ऋग्वेद - सूक्त :

- | | |
|------------------------------------|--------------------------|
| १. अश्विनी (I -116) | ५. उषस् (V-80) |
| २. इन्द्र (II -12) | ६. पृषन् (VI -53) |
| ३. विश्वामित्र-नदी-संवाद (III -33) | ७. वरुण (VII -88) |
| ४. बृहस्पति (VI -50) | ८. विश्वदेवाः (VIII -30) |
| | ९. सोम (IX -80) |

- अथर्ववेद - सूक्त :

- | | |
|---|----------------------------|
| १. मेधाजननम् (I -1) | ७. पितृमेघ (XVIII -3-1-10) |
| २. शत्रुनाशनम् (II -12) | ८. ब्राज्यः (XV -1) |
| ३. स्वराज्य राज्ञः पुनः स्थापनम् (III -4) | ९. राष्ट्रसभा (VII -12) |
| ४. शालानिर्माणम् (III -4) | १०. काल (XIX -53) |
| ५. सत्यानासतसमीक्षकः (वरुणः) (VI -16) | ११. पृथ्वी (XII -1) |
| ६. सर्पविनाशनम् (V -13) | |

- वाजसनेयीसंहिता - अध्याय - ३४

शिव संकल्पसूक्त ।

- शतपथ ब्राह्मण १, ६, ३, १-२

त्वष्टा

(२) महाकाव्य - महाभारत-विराटपर्व ।

(३५)

- महाभारतनो कर्म
- महाभारत आभ्यास
- महाभारत कालीन समाज
- परवर्तीशंभो भाटे महाभारत अेक प्रेरणास्त्रोत
- महाभारतनुं साहित्यिक महत्व
- भारतीय साहित्य उपर रामायण अने महाभारतनो प्रभाव
- महाभारतनी समीक्षित आवृत्ति

प्रश्नपत्र-८

Alamkarasastra

- | | |
|--|------|
| (१) ध्वन्यालोक - (प्रथम उद्योत) आनन्दवर्धन | (४२) |
| (२) वक्रोक्तिजीवितम् - (प्रथम उन्मेष) कुन्तक | |
| (३) काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति - वामन | (२८) |